Sem. 4
MJ - 6

# भाषा का पारिवारिक (ऐतिहासिक) वर्गीकरण

सत्रहवीं शताब्दी में भाषा-वैज्ञानिकों को संस्कृत, ग्रीक, लैटिन आदि प्राचीन भाषाओं के तुलनात्मक अध्ययन में इनके बीच अद्भुत समानता दिखी और निष्कर्ष निकाला कि ये एक ही मूल भाषा से विकसित हुई हैं, अर्थात् एक ही परिवार की भाषाएँ हैं। यहीं से इस वैज्ञानिक पारिवारिक वर्गीकरण का प्रारम्भ हुआ। अभी तक केवल भारोपीय, सेमेटिक या द्रविड़ परिवार की भाषाओं का ही विस्तृत अध्ययन हुआ है। पारिवारिक वर्गीकरण में प्रायः भाषिक समानता और स्थानिक समीपता को परखा जाता है। भाषिक समानता में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण रूपरचना एवं आधारभूत शब्दों की समानता का है। निकट संबंधियों वाले शब्द, सर्वनाम एवं संख्यावाचक शब्दों की समानता एक परिवार के निर्धारण में मुख्य भूमिका निभाते हैं। जैसे —

| | संस्कृत | लैटिन | ग्रीक | जर्मन | अंग्रेजी | फारसी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (1) | पितृ | पितर | पेटर | पेटर | फ़ादर | पिदर |
| (2) | भ्रातृ | भ्रातर | फ्रेटर | फ्रेटर | ब्रदर | बिरादर |

भाषा-वैज्ञानिकों ने संसार की भाषाओं का पारिवारिक वर्गीकरण करते हुए चार भाषा-खंडों में बाँटा है —

(1) अफ्रीका खण्ड — इसमें मुख्यतः चार भाषा-परिवार हैं — (क) बुशमैन (ख) बांटू (ग) सूडानी (घ) हेमेटिक-सेमेटिक।

(2) यूरेशिया खण्ड — यहाँ मुख्यतः नौ भाषा-परिवार हैं — (क) हेमेटिक-सेमेटिक (ख) कोकेशियन (ग) यूराल-अल्टाइक (घ) चीनी (ङ) द्रविड़ (च) आस्ट्रो-एशियाटिक (छ) जापानी-कोरियाई (ज) मलय-पालिनेशियन (झ) भारोपीय

(3) प्रशान्तमहासागरीय खण्ड — इसमें मुख्यतः मलय-पालिनेशियन परिवार है।

(4) अमरीका खण्ड — इस खण्ड में विद्वानों ने लगभग सौ परिवारों की गणना की है, पर मुख्यतः इन्हें उत्तरी अमरीकी परिवार तथा दक्षिण अमरीकी परिवार की संज्ञा दी गयी है।

उपर्युक्त भाषिक परिवारों को निम्नांकित तालिका द्वारा समझा जा सकता है —

## भाषा

- अफ्रीका खण्ड
  - बुशमैन
  - बांटू
  - सूडानी
  - हैमेटिक सैमेटिक
- अमरीका खण्ड
  - उ० अमरीकी
  - मध्य अमरीकी
  - दक्षिण अमरीकी
- प्रशान्तमहासागर खण्ड
  - मलय
  - मलनेशिया
  - पालिनेशिया
  - पपुअन
  - आस्ट्रेलियन
- यूरेशिया खण्ड
  - सेमेटिक
  - काकेशस
  - यूराल अल्ताइ
  - चीनी
  - द्रविड़
  - आग्नेय
  - भारोपीय
  - अनिश्चित

तालिका से स्पष्ट होता है कि भाषा-परिवारों की संख्या बहुत है, किन्तु विद्वानों ने मुख्यतः तेरह भाषा-परिवारों को प्रमुखता से स्वीकारा है; ये हैं —

(1) भारोपीय — भारत से लेकर यूरोप तक यह परिवार फैला है और इस परिवार की भाषाएँ विश्व में सर्वाधिक हैं। इसकी भाषाएँ हैं — संस्कृत, पालि, प्राचीन फारसी, ग्रीक, लैटिन, अंग्रेजी, रूसी, जर्मन, स्पेनी, फ्रांसीसी, फारसी, बंगला, गुजराती, हिन्दी आदि।

(2) द्रविड़ — दक्षिण भारत, उत्तरी लंका, मध्यप्रदेश, बिहार, उड़ीसा आदि क्षेत्रों में विस्तृत इस परिवार की भाषाएँ — तमिल, मलयालम, तेलुगू, कन्नड़, ओराँव आदि हैं।

(3) चीनी या एकाक्षरी — चीन और समीपवर्ती क्षेत्र में बोली जानेवाली इस परिवार की भाषाओं में मंदारिन, तिब्बती, बर्मी, स्यामी, मेईतेई आदि मुख्य हैं।

(4) सेमेटिक-हेमेटिक परिवार — उत्तरी अफ्रीका और पश्चिमी एशिया के क्षेत्र में इस परिवार की भाषाओं में हिब्रू, अरबी, सुमेरियन, प्राचीन मिस्री, सोमाली आदि हैं।

(5) यूराल-अल्टाइक — यूराल और अल्टाइ पर्वतों के बीच तुर्की, इस्तोनिया, अजरबैजान, उजबेक, हंगरी आदि क्षेत्रों में इस परिवार की भाषाएँ तुर्की, फ़िनिश, उजबेक, मंगोलियन आदि हैं।

(6) काकेशियन — इस परिवार का क्षेत्र काकेशस पर्वत और आसपास का भूभाग है। इस परिवार की भाषाओं में चेचेन, कबार्दियन, अवर, जार्जियन, मिंग्रेलियन आदि मुख्य हैं।

(7) जापानी-कोरियाई परिवार — जापानी तथा कोरियाई आदि भाषाओं से बना यह परिवार जापान, कोरिया और समीपवर्ती द्वीपों में फैला है।

(8) मलय-पालिनेशियन — यह परिवार जावा, सुमात्रा, बाली, न्यूजीलैन्ड, मलाया, हवाई आदि क्षेत्रों तक फैला है। इसकी भाषाओं में मलय, इंडोनेशियन, जावानीज, हवाइयन, समोअन, फीजियन, न्यूजीलैण्डी आदि मुख्य हैं।

(9) आस्ट्रो-एशियाटिक (आग्नेय) — स्याम, निकोबार, कम्बोडिया, बंगाल, बिहार आदि क्षेत्रों में इस परिवार की मुख्यतः मुंडारी, संथाली, कोल, भूमिज आदि भाषाएँ हैं।

(10) बुशमैन परिवार — दक्षिण अफ्रीकी क्षेत्र के बुशमैन जाति में इस परिवार की भाषाएँ बोली जाती हैं, जिनमें ऐकवे, औकवे जैसी भाषाएँ हैं।

(11) बांटू परिवार — मध्य और दक्षिण अफ्रीका और जंजीबार द्वीप में फैले इस परिवार की मुख्य भाषाएँ काफ़िर, जुलू, कांगो, रुआन्डा आदि हैं।

(12) सूडानी परिवार — अफ्रीका में भूमध्य-रेखा क्षेत्र में लगभग चार सौ भाषाओं के इस परिवार में हौस, इवे, न्युबियन, अशानी जैसी भाषाएँ हैं।

(13) अमरीकी परिवार — अमरीका क्षेत्र के आदिवासियों द्वारा एक हजार ऐसी भाषाएँ बोली जाती हैं। इस परिवार में एस्किमो, अथबस्कन, करीब, चेरोकी, नूत्का जैसी भाषाएँ बोली जाती हैं।

उपर्युक्त भाषा-परिवारों की सूची का निर्धारण भाषा-वैज्ञानिकों ने भाषाओं की ध्वनि, शब्द, रूप-रचना, वाक्य-रचना, अर्थ आदि की समानता के आधार पर किया है। विश्व की भाषाओं का गहन अध्ययन अभी भी भाषा-वैज्ञानिक कर रहे हैं और संभव है कि भविष्य में कुछ नये ढंग का वर्गीकरण देखने को मिले।